

## भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

**भाविप्रा द्वारा कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की अपनी प्रतिबद्धता में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया।**

### प्रेस विज्ञप्ति

**नई दिल्ली, 08 जनवरी, 2020:** भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) पूरे भारतवर्ष में एकमात्र वायु दिक्चालन सेवा (एएनएस) प्रदाता और हवाई अड्डा प्रचालक होने के नाते सभी अपेक्षित कार्यक्रमों और एसओपीज़ (SOPs) के साथ कार्बन उत्सर्जन को कम करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने और इकोसिस्टम, समुदाय व समाज पर आने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम करने तथा पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए लागत प्रभावी कार्बन शमन कार्रवाई को लागू कर सतत विकास हेतु निरंतर प्रयासरत है और इस प्रकार से राष्ट्र के सतत विकास के लक्ष्यों में योगदान दे रहा है।

एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई), विश्व के हवाईअड्डों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक गैर-लाभकारी संगठन, ने घोषणा की है कि चार हवाईअड्डों -नेताजी सुभाषचंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा,कोलकाता; बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा, भुवनेश्वर; लाल बहादुरशास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा, वाराणसी और त्रिवेन्द्रम अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे ने एयरपोर्ट कार्बन प्रमाणन (एसीए) कार्यक्रम के अनुसार हवाईअड्डों पर कार्बन उत्सर्जन को कम करके और कार्बन प्रबंधन योजना का गठन करके स्तर 2: "रिडक्शन" में अपग्रेड करने के लिए सभी आवश्यक अपेक्षाओं को पूरा कर लिया है।

राष्ट्रीय और साथ ही वैश्विक जलवायु परिवर्तन की पहल के अंतर्गत भाविप्रा ने विमानन उद्योग के निरंतर विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य के साथ इन चार हवाईअड्डों पर कार्बन प्रबंधन कार्यक्रम की शुरुआत की है। हवाईअड्डा प्रमाणन के चार उत्तरोत्तर स्तरों पर भाग ले सकता है- स्तर 1: मैपिंग, स्तर 2: रिडक्शन, स्तर 3: ऑप्टिमाइज़ेशन, स्तर 3+: न्यूट्रैलिटी। कार्बन मैपिंग तब होती है जब हवाईअड्डे के स्कोप-1 और स्कोप-2 उत्सर्जन के लिए कार्बन फुटप्रिंट के विकास और उत्सर्जन रिडक्शन के लिए प्रतिबद्धता की नीति होती है, जो इसके नियंत्रण में है। कार्बन रिडक्शन तब होता है जब हवाईअड्डा आधार वर्ष की तुलना में कार्बन उत्सर्जन में कमी दिखाता है। भाविप्रा ने दिसम्बर,2018 के दौरान इन चार हवाईअड्डों के लिए स्तर-1 प्रमाणन प्राप्त किया था और अब प्रमाणन के अगले स्तर अर्थात स्तर 2: रिडक्शन में अपग्रेड हो गए है।

एयरपोर्ट कार्बन प्रमाणन (एसीए) कार्यक्रम को एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) द्वारा विकसित और लॉन्च किया गया है। यह हवाईअड्डों के लिए एक स्वैच्छिक वैश्विक कार्बन प्रबंधन मानक है। कार्बन न्यूट्रल बनने के अंतिम उद्देश्य के साथ हवाई अड्डा प्रमाणन का उद्देश्य कार्बन प्रबंधन में सर्वोत्तम कार्यप्रणाली को लागू करने के लिए हवाईअड्डों को प्रोत्साहित करना एवं सक्षम बनाना है। एयरपोर्ट कार्बन प्रमाणन जीएचजी प्रोटोकॉल और आईएसओ 14064 के सिद्धांतों के अनुरूप विकसित किया गया है।

कार्बन में कमी के लिए प्रमाणन की उपलब्धि वास्तव में एक उत्कृष्ट टीम वर्क को दर्शाती है। इस उपलब्धि के साथ भाविप्रा ने कार्बन फुटप्रिंट कम करके पर्यावरण के प्रति अपने दायित्वों की पूर्ति की दिशा में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस दिशा में और आगे बढ़ते हुये भाविप्रा अपना ध्यान ऊर्जा संरक्षण में केन्द्रित कर रहा है तथा हरित ऊर्जा पैदा करने के लिए वैकल्पिक समाधानों को खोज रहा है।

निगमित संचार निदेशालय द्वारा जारी  
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:  
महाप्रबंधक (सीसी) 011-24622787  
प्रेस विज्ञप्ति सं: 55/2019-20

## **संपादक हेतु नोट एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (ACI)**

एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (ACI) विश्व के हवाईअड्डों का एकमात्र वैश्विक व्यापार प्रतिनिधि है। वर्ष 1991 में संस्थापित, एसीआई (ACI) सरकारों एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे इकाओ (ICAO) के साथ

हवाई अड्डों के हितों का प्रतिनिधित्व करता है, हवाई अड्डों के लिए मानकों, नीतियों एवं सिफारिश की गई कार्य प्रणालियों को विकसित करता है, और विश्व भर में मानकों को बढ़ाने के लिए जानकारी देता है तथा प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करता है।

## एयरपोर्ट कार्बन एक्रेडिटेशन (ACA) प्रोग्राम

एयरपोर्ट कार्बन एक्रेडिटेशन (ACA) प्रोग्राम को एक गैर-लाभकारी संगठन-एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (ACI) द्वारा विकसित और लॉन्च किया गया है, जो दुनिया के हवाई अड्डों का प्रतिनिधित्व करता है। एसीए कार्यक्रम हवाई अड्डों के लिए स्वैच्छिक वैश्विक कार्बन प्रबंधन मानक है। कार्बन न्यूट्रल बनने के अंतिम उद्देश्य के साथ एयरपोर्ट कार्बन एक्रेडिटेशन का उद्देश्य कार्बन प्रबंधन में सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों को लागू करने के लिए हवाई अड्डों को प्रोत्साहित करना एवं सक्षम बनाना है। एक्रेडिटेशन हवाई अड्डों को उनकी उपलब्धियों के लिए सार्वजनिक मान्यता प्राप्त करने के अवसर प्रदान करता है, दक्षता में सुधार को बढ़ावा देता है, ज्ञान हस्तांतरण को प्रोत्साहित करता है, हवाई अड्डों के प्रोफाइल एवं विश्वसनीयता को बढ़ाता है, मानकीकरण को प्रोत्साहित करता है, और जागरूकता और विशेषज्ञता को बढ़ाता है।

हवाई अड्डे एक्रेडिटेशन के चार प्रगतिशील एवं कठिन स्तरों पर भाग ले सकते हैं: स्तर 1: मैपिंग; स्तर 2: रिडक्शन; स्तर 3: ऑप्टिमाइज़ेशन; स्तर 3+: न्यूट्रैलिटी। एक्रेडिटिड हवाई अड्डे एसीआई से एक प्रमाणपत्र प्राप्त करते हैं, जो उनके द्वारा प्राप्त किए गए स्तर को दर्शाता है। एक्रेडिटेशन के प्रत्येक स्तर की मुख्य आवश्यकताओं को नीचे प्रस्तुत किया गया है:

### स्तर 1: मैपिंग

- उत्सर्जन में कमी के लिए नीति प्रतिबद्धता।
- हवाई अड्डों के स्कोप 1 और 2 उत्सर्जनों के लिए कार्बन फुट प्रिंट्स का विकास करना। I

### स्तर 2: रिडक्शन

- स्तर 1 की सभी एक्रेडिटेशन आवश्यकताओं की पूर्ति करना।
- कार्बन उत्सर्जन में कमी के लक्ष्य को सूत्रबद्ध करना।
- लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्बन प्रबंधन योजना का विकास।
- स्कोप 1 और 2 उत्सर्जनों में कमी का प्रदर्शन।

### स्तर 3: ऑप्टिमाइज़ेशन

- स्तर 2 की सभी एक्रेडिटेशन आवश्यकताओं की पूर्ति करना।
- विशिष्ट स्कोप 3 उत्सर्जन को शामिल करने के लिए अतिरिक्त कार्बन फुट प्रिंट्स। I
- हितधारक नियुक्ति योजना का विकास। I

### • स्तर 3+: न्यूट्रैलिटी

- स्तर 3 की सभी एक्रेडिटेशन आवश्यकताओं की पूर्ति करना।
- हवाई अड्डे के नियंत्रण के अंतर्गत अवशिष्ट उत्सर्जन की शुरुआत। I

## भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) हवाईअड्डों पर एसीए प्रोग्राम का कार्यान्वयन I

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) देशभर में एक मात्र हवाईअड्डा प्रचालक एवं एयर नेविगेशन सर्विस (एएनएस) प्रदाता होने के नाते निरंतर कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) का सम्मान कर रहा है और कार्बन उत्सर्जन को कम करने और इकोसिस्टम, समुदाय व समाज पर आने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम करने तथा पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए लागत प्रभावी कार्बन शमन कार्रवाई को लागू कर सतत विकास हेतु प्रतिबद्ध है और इस प्रकार से राष्ट्र के सतत विकास के लक्ष्यों में योगदान दे रहा है।

राष्ट्रीय और साथ ही वैश्विक जलवायु परिवर्तन की पहल के तहत, भाविप्रा ने अपने 04 हवाई अड्डों - कोलकाता, भुवनेश्वर, त्रिवेंद्रम और वाराणसी हवाई अड्डों पर एयरपोर्ट कार्बन एंक्रेडिटेशन (ACA) प्रोग्राम की शुरुआत की है। भाविप्रा ने दिसंबर 2018 के दौरान "पर्यावरण नीति" की नींव रखकर स्तर 1: मैपिंग एंक्रेडिटेशन प्राप्त किया था और अपने 04 हवाई अड्डों पर कार्बन फुट प्रिंट्स की मैपिंग की थी।

भाविप्रा की "पर्यावरण नीति" पर्यावरण के दायित्व के प्रति भाविप्रा के शीर्ष प्रबंधन की प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व, कार्बन फुटप्रिंट्स को कम करके और ऊर्जा दक्षता में सुधार कर, हरित और नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के उपयोग को बढ़ाकर, सर्वोत्तम वायु यातायात प्रबंधन सुविधाओं, कार्य प्राणालियों और प्रक्रियाओं को अपनाकर/ लागू कर तथा साथ ही सभी कार्मिकों एवं हितधारकों को कार्बन उत्सर्जन में कमी की दिशा में संवेदनशील बनाकर, करती है। I

भाविप्रा ने अब कार्बन उत्सर्जन में कमी के लक्ष्य को सूत्रबद्ध कर, लक्ष्य प्राप्ति हेतु कार्बन प्रबंधन योजना का विकास कर और स्कोप 1 और 2 उत्सर्जनो में कमी का प्रदर्शन कर अगले स्तर अर्थात एंक्रेडिटेशन के स्तर 2: रिडक्शन को प्राप्त कर लिया है।

भाविप्रा ने प्रत्यक्ष जीएचजी उत्सर्जन (स्कोप 1 और 2) में 5% प्रति यात्री प्रति वर्ष की दर से आधार वर्ष 2015 के बेंचमार्क मूल्य में कमी और आधार वर्ष 2015 के बाद से वर्ष 2030 तक प्रत्यक्ष जीएचजी उत्सर्जन में 75% की कमी का लक्ष्य रखा है। कार्बन प्रबंधन योजना के नवीनीकरण के दौरान लक्ष्य की पुनः समीक्षा की जाएगी। इन चार हवाई अड्डों पर कार्बन उत्सर्जन में प्राप्त की गई कमी को नीचे दर्शाया गया है: -

### कोलकाता हवाईअड्डा

वर्ष	2015	2016	2017	2018
कुल जीएचजी उत्सर्जन (t CO2e)	63,401	61,118	57,138	46,277
यात्री (PAX)	12170837	14875212	18882179	21663463
प्रति यात्री (PAX) उत्सर्जन (kgCO2e/PAX)	5.20	4.10	3.02	2.10

### भुवनेश्वर हवाई अड्डा

वर्ष	2015	2016	2017	2018
कुल जीएचजी उत्सर्जन (t CO2e)	5,070	5,852	6,468	6,399
यात्री (PAX)	1768258	2183612	2951244	4215916

प्रति यात्री (PAX) उत्सर्जन (kgCO <sub>2</sub> e/PAX)	2.90	2.70	2.20	1.50
--	------	------	------	------

### वाराणसी हवाई अड्डा

वर्ष	2015	2016	2017	2018
कुल जीएचजी उत्सर्जन (t CO <sub>2</sub> e)	4,366	4,913	4,273	4,004
यात्री (PAX)	1213824	1839508	1975589	2690846
प्रति यात्री (PAX) उत्सर्जन (kgCO <sub>2</sub> e/PAX)	3.60	2.70	2.20	1.50

### त्रिवेंद्रम हवाई अड्डा

वर्ष	2015	2016	2017	2018
कुल जीएचजी उत्सर्जन (t CO <sub>2</sub> e)	11,609	11,784	11,812	11,603
यात्री (PAX)	3343563	3838320	4226118	4567121
प्रति यात्री (PAX) उत्सर्जन (kgCO <sub>2</sub> e/PAX)	3.50	3.10	2.80	2.54